Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो, विडियो, रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. 10 दिनांक 26/04/2021
स्थान बाड़नावा जागीर

ZOOM003
ट्रेक समयावधि

कलाकार का नाम - अरफान खां (गायन / वादन)
पिता का नाम - हैदर खां
पता → गांव बड़नावा जागीर ते॰ पचपदरा जिला बाड़मेर
सहायक कलाकार -

ओडियो रिकॉर्डिंग का समय 10 मिनट
विषय - कथा - (हसन - रूप)
विशेष विवरण

विशेष - विवरण यह कथा दो भाई रूप और हसन से सम्बन्धित है। बात उस समय की है जब हसन और रूप की माँ का इतंकाल हो जाता है। तो उनके पिता (राजा) एक और शादी करते है। तो राजा की नई बीबी उन दोनो भाईयो से लड़ती जगड़ती है और अपने ~~पति~~ (राजा) से केहती है कि या तो आपके बेटे आपके पास रहेंगे या फिर मे. तो राजा उन दोनो भाइयों को देश निकाला दे देता है।

और वो दोनो भाई रूप और हसन घर से निकल जाते है। चलते - चलते रात हो जाती है तो वह जंगल मे एक वृक्ष के नीचे जाते है तो रूप को एक जहरीला नाग डस मार लेता है इससे ~~उस~~ उसकी मृत्यु हो जाती है तो उनका छोटा भाई नजदीकी गांव मे जाता है तो वो देखता है वहा बहुत से लोग इकठे खड़े है क्योंकि एक हाथी का बच्चा गांव का दरबार → चुन रहा है वे भी वहा जाके खड़ा हो जाता है,

जैसे ही ये वहा जाता है। हाथी उसके गले में माला डाल देता है और इसे राजा चुना जाता है तो कुछ लोग केहते है कि ये तो अपने गांव का नहीं है हम इसे अपना राजा कैसे मान सकते है। और इस बार बड़े हाथी को बुलाते है ये तो बच्चा है। और गांव वाले मिलकर फैसला लेते है कि इस बार हाथी जिसके भी गले में माला डालेगा राजा वही होगा। सब लोग ने मान लिया। हाथी को लाया गया उसको माला दी गई और हाथी ने भी हसन के गले में ही माला पहनाई और गांव वालों को नया राजा मिल गया।

हसन ये सब देखकर अपने भाई को भूल गया इतने में रात हो गई और चकवा और चकवी वहा पहुंच जाते है और रूप को जीवित कर देते है। रूप अपने भाई की खोज में गांव में प्रवेश करना चाहता है। तो गांव का चौकीदार उसे प्रवेश नहीं देता है और वह रात भर बाहर रहकर गांव में शाम को टाइम आने वाले शेर-और रोरनी को मार देता है। सुबह जब लोग देखते है। तो रूप को पीटकर खुद उसे खत्म करने वाला बताने लगते है।

रूप को लोग पीटकर किसी पुराने वृक्ष की ओट ~~के~~ में छोड़ जाते है। ~~व~~ तो वह कुछ समय पश्चात ठीक होकर फिर से वहा जाने का प्रयास करता है। तो क्या होता के एक सेठ की जहाज पानी में मगरमच्छ रोक लेता है और केहता है मुझे एक टाइम का खाना चाहिए। तो चौकीदार रूप को सेठजी को सौंप देता है। तो सेठजी से ~~रूप~~ रूप केहता है मुझे बाजार से कुछ खरीदना है।

और वह एक बड़ा सा बैल खरीदता है। और मगरमछ से पूछता है भाई एक टाइम का खाना बहुत या दो चार टाइम का चाहिए तो वह केहता है चार टाइम का चाहिए बैल को पानी में डाल दिया जाता है। ~~और~~ और वह खुद को बचा लेता है। सेठ अपनी लड़की का विवाह ~~उसके~~ उसके कर देता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

कहानी के अन्त में वह फूला मालन के घर जाता है और उसकी बेटी बनकर अपनी सारी कहानी अपने भाई (राजा) को सुनाता है तो राजा उस चौकीदार को मौत के घाट उतार देता है और अपने भाई को अपने पास बुलाता है और आगे का पूरा जीवन दोनो भाई एक साथ व्यतित करते है।